RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 244
दि. 04.01.2026, रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में प्रस्तावित शासनादेश के संबंध में एक महत्वपूर्ण बैठक

लखनऊः (जीएनएस)। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में आज राजभवन, लखनऊ में कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाएँ, उत्तर प्रदेश द्वारा समयपूर्व रिहाई से संबंधित प्रस्तावित शासनादेश के संबंध में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक के दौरान संबंधित विभाग के अधिकारियों द्वारा प्रस्तावित शासनादेश के विभिन्न प्रावधानों, उद्देश्यों एवं प्रक्रिया पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया। प्रस्तुति में समयपूर्व रिहाई से संबंधित नीति, पात्रता मानदंड, प्रक्रिया तथा अपेक्षित सुधारात्मक पहलुओं पर प्रकाश डाला गया।

राज्यपाल जी ने विषय की संवेदनशीलता एवं इसके सामाजिक प्रभाव को दृष्टिगत रखते हुए प्रस्तावित शासनादेश के विभिन्न बिंदुओं की गहन समीक्षा की तथा आवश्यक सुझाव एवं निर्देश प्रदान किए। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर बल दिया कि समयपूर्व रिहाई की प्रक्रिया पारदर्शी, न्यायसंगत एवं सुधारात्मक उद्देश्य के अनुरूप हो, जिससे बंदियों के हित सुरक्षित रह सकें।

राज्यपाल जी ने कारागारों में निरुद्ध बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं के संबंध में भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बंदियों के साथ मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए स्वच्छता, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं कौशल विकास जैसी सुविधाओं पर समुचित ध्यान दिया जाना चाहिए।

राज्यपाल जी ने गुजरात स्थित नेशनल फॉरेंसिक साइंस विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय रक्षा शक्ति महाविद्यालय तथा इसरो के स्पेस एप्लीकेशन सेंटर के अपने हालिया दौरे के अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि इन संस्थानों में अपराध की जांच, दोषियों की पहचान एवं गिरफ्तारी हेतु आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, फॉरेंसिक विज्ञान एवं अन्य आधुनिक तकनीकों का प्रभावी उपयोग किया जा रहा है।

जिससे जांच प्रक्रिया अधिक वैज्ञानिक एवं सटीक हुई है।

राज्यपाल जी ने सुरक्षा, फॉरेंसिक एवं अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कार्यरत इन प्रतिष्ठित संस्थानों की भूमिका की सराहना करते हुए संबंधित अधिकारियों को ऐसे संस्थानों के भ्रमण के लिए प्रेरित किया, ताकि नवीनतम तकनीकों एवं नवाचारों की जानकारी प्राप्त कर कारागार व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सके।

कारागार व्यवस्था में आवश्यक सुधार सुनिश्चित करने के उद्देश्य से

राज्यपाल जी ने कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जेल परिसरों में बंदियों द्वारा उपजाई जा रही शाक-सब्जियों के उपयोग की संभावनाओं का अध्ययन किया जाए तथा ऐसी व्यवस्था विकसित की जाए, जिससे इन सब्जियों का उपयोग समीपवर्ती आंगनबाड़ी केंद्रों एवं प्राथमिक विद्यालयों में संचालित मध्यान्ह भोजन योजना के अंतर्गत किया जा सके।

राज्यपाल जी ने बंदियों के आय सृजन को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए निर्देश दिए कि उन्हें विभिन्न उत्पादक गतिविधियों में संलिप्त किया जाए तथा उनकी रुचि एवं क्षमता के अनुरूप कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जाए, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें। उन्होंने जेलों को आदर्श कारागार के रूप में विकसित करने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

राज्यपाल जी ने जेलों में निरुद्ध सजायाफ़्ता महिला बंदियों एवं उनके साथ रह रहे छोटे बच्चों की आवश्यकताओं पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि महिला बंदियों एवं बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं देखभाल से संबंधित व्यवस्थाएं संवेदनशीलता एवं प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित की जाएं।

उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि कारागारों से संबंधित विभिन्न समस्याओं के समाधान हेतु सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। इस संबंध में कारागार विभाग को गृह विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर व्यावहारिक एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

राज्यपाल जी ने अधिकारियों को कारागारों का आकस्मिक निरीक्षण करने तथा निर्धारित नियमों एवं मानकों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया, ताकि व्यवस्थाओं की वास्तविक स्थिति का आकलन किया जा सके।

बुद्ध के पवित्र अवशेष भारत की वंदनीय विरासत का एक अटूट हिस्सा हैं: नरेन्द्र मोदी

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भगवान बुद्ध का ज्ञान और उनका दिखाया मार्ग पूरी मानवता के लिए है तथा बुद्ध के पवित्र अवशेष केवल अवशेष नहीं हैं, बल्कि भारत की वंदनीय विरासत का एक अटूट हिस्सा हैं।

नेशनल डेस्कः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भगवान बुद्ध का ज्ञान और उनका दिखाया मार्ग पूरी मानवता के लिए है तथा बुद्ध के पवित्र अवशेष केवल अवशेष नहीं हैं, बल्कि भारत की वंदनीय विरासत का एक अटूट हिस्सा हैं। साल 1898 में मिले पवित्र पिपरहवा अवशेषों की भव्य अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए मोदी ने कहा कि भगवान बुद्ध सभी के हैं और सभी लोगों को

एकजुट करते हैं।

उन्होंने बौद्ध विद्वानों, राजनयिकों और अन्य अतिथियों की उपस्थिति में कहा, 'भारत के लिए, बुद्ध के पवित्र अवशेष केवल अवशेष नहीं हैं, बल्कि हमारी वंदनीय विरासत व सभ्यता का एक अटूट हिस्सा हैं। मोदी ने कहा कि 125 वर्ष प्रतीक्षा करने के बाद, भारत की विरासत लौट आई है।

उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध का ज्ञान और उनका दिखाया मार्ग पूरी मानवता के लिए है। मोदी ने बुद्ध के अवशेषों की उनकी मातृभूमि पर वापसी सुनिश्चित करने के लिए गोदरेज समूह का आभार व्यक्त किया। पिपरहवा अवशेषों का बौद्ध धर्म के आरंभिक पुरातात्विक अध्ययन में एक खास स्थान है।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने राज्यों के साथ कृषि योजनाओं एवं बजट उपयोग की समीक्षा की

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज राज्यों के कृषि मंत्रियों के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। बैठक में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (PM-RKVY), कृषोन्नति योजना (KY) समेत विभिन्न केंद्रीय कृषि योजनाओं की प्रगति एवं बजट उपयोग की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि छोटे-छोटे प्रशासनिक एवं प्रक्रियागत मुद्दों के कारण कई बार बजट आवंटन में देरी होती है।

125 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद भारत की विरासत लौट और देश की अनमोल धरोहर घर वापस आ गई है: पीएम मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आज नई दिल्ली के राय पिथोरा सांस्कृतिक परिसर में भव्य अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी "प्रकाश और कमलः भगवान बुद्ध के अवशेष" का उद्घाटन किया। संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित यह ऐतिहासिक प्रदर्शनी एक सदी से भी अधिक समय में पहली बार भगवान बुद्ध के पवित्र पिपरावा अवशेषों, रत्नों और अवशेषों के सबसे व्यापक संग्रह को एक साथ लाती है, जिनमें वे अवशेष भी शामिल हैं जिन्हें हाल ही में भारत वापस लाया गया है।

इस अवसर पर बोलते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, '125 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद भारत की विरासत और राष्ट्र की अनमोल धरोहर वापस घर आ गई है। आज से भारत के लोग भगवान बुद्ध के इन पवित्र अवशेषों के दर्शन कर सकेंगे और उनका आशीर्वाद प्राप्त कर सकेंगे।'

इस अवसर पर बोलते हुए केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र

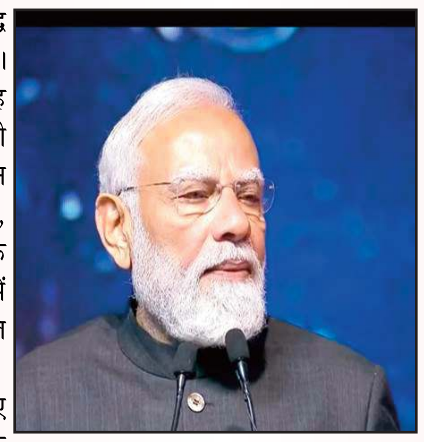

सिंह शेखावत ने कहा कि प्रधानमंत्री, जिनमें भारत की भावना को शासन की गतिविधियों में रूपांतरित करने की विलक्षण क्षमता है, की उपस्थिति हमेशा प्रेरणा और महत्व का क्षण होता है। उन्होंने आगे कहा कि इस ऐतिहासिक अवसर पर प्रधानमंत्री का स्वागत करना हम सभी के लिए अत्यंत गर्व की बात है।

यह उद्घाटन भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक यात्रा का एक ऐतिहासिक क्षण है, जो 127 वर्षों के बाद पिपरावा अवशेषों के पुनर्मिलन का स्मरण कराता है। इस संग्रह में कपिलवस्तु में 1898 में हुए उत्खनन से प्राप्त अवशेष, 1972-75 के उत्खनन से मिली वस्तुएँ, कोलकाता के भारतीय संग्रहालय में संरक्षित खजाने और पेप्पे परिवार का संग्रह शामिल है, जिसे भारत सरकार के निर्णायक हस्तक्षेप के बाद जुलाई 2025 में भारत वापस लाया गया, जिसने विदेशों में उनकी नीलामी को रोक दिया था।

पहाड़ों पर बर्फबारी से दिल्ली समेत यूपी-बिहार में बढ़ी ठिठुरन, राजस्थान में नए साल पर पहली बार 0 डिग्री तापमान

(जीएनएस)।

नई दिल्ली। नए साल के आगाज के साथ देश में तापमान तेजी से नीचे गिरने लगा है। कई राज्यों में सर्दियों का सितम देखने को मिल रहा है। राजस्थान में पारा 0 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है, तो वहीं पहाड़ों पर बर्फबारी के कारण मैदानी इलाकों में गलन और ठिठुरन बढ़ने लगी है।

भारतीय मौसम विभाग ने कई राज्यों में शीतलहर का अलर्ट जारी किया है। क्टऊ ने जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, बिहार, ओडिशा, सिक्किम, पश्चिम बंगाल, असम, मेघालय, त्रिपुरा, मिजोरम, मणिपुर, नगालैंड, राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में शीतलहर के साथ घना कोहरा छाए रहने की चेतावनी जारी की है।

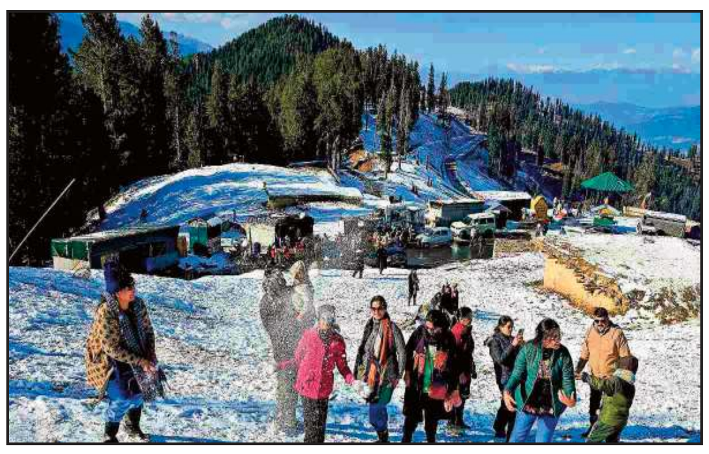

जम्मू कश्मीर में पहाड़ों ने बर्फ की मोटी चादर ओढ़ ली है। मौसम विभाग ने केदारनाथ, बंद्रीनाथ और हेमकुंड साहिब समेत कई जिलों में बर्फबारी का अलर्ट जारी किया है। इसका असर निचले इलाकों में देखने को मिल सकता है, जहां ठंड अचानक से बढ़ने की संभावना है।

राजधानी दिल्ली में भी कड़ाके की ठंड ने दस्तक दे दी है। दिल्ली में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस के करीब दर्ज किया गया है। मौसम विभाग ने राजधानी समेत आसपास के जिलों में शीतलहर की चेतावनी जारी की है। इस दौरान 10 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने के आसार हैं।

राजस्थान में लुढ़का तापमान

राजस्थान के बाड़मेर, बीकानेर, सीकर, हनुमानगढ़ समेत 10 जिलों में कोहरे का अलर्ट जारी हुआ है। वहीं, मध्य प्रदेश में अगले 3 दिन तक घना कोहरा छाए रहने की उम्मीद है। इसके अलावा भोपाल और इंदौर में हल्की बौछार भी देखने को मिल सकती है।

यूपी-बिहार में बढ़ेगी ठंड

मौसम विभाग ने यूपी और बिहार में भी 9 जनवरी तक के लिए शीतलहर

गुरदासपुरः पूर्व इंस्पेक्टर के बेटे ने थार से स्कूटी सवार शिक्षिका को दस मीटर तक घसीटा, मौके पर दर्दनाक मौत

गुरदासपुर। शहर के इंप्रूवमेंट ट्रस्ट स्कीम नंबर सात में वीरवार देर शाम तेज रफ्तार थार चालक ने स्कूटी सवार अध्यापिका को अपनी चपेट में ले लिया। थार चालक अध्यापिका को दस मीटर तक घसीटता हुआ ले गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद इकट्ठे हुए आसपास के लोगों ने थार चालक को काबू करके पुलिस के हवाले कर दिया।

आरोपित करण संत नगर निवासी रिटायर्ड सीआइडी इंस्पेक्टर नवल किशोर का बेटा है।

सावित्रीबाई फुले की जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित कर, नारी शिक्षा की महान अग्रदूत को याद किया

सोनीपत, (जीएनएस)।

सावित्रीबाई फुले जयंती : देश की पहली महिला शिक्षिका और नारी मुक्ति आंदोलन की प्रणेता सावित्रीबाई फुले की जयंती पर भाजपा हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कोटि-कोटि नमन किया। सोनीपत के वार्ड नंबर 9 सैनीपुरा में आयोजित कार्यक्रम में श्री बड़ौली ने सावित्रीबाई फुले के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनके जीवन, संघर्ष एवं योगदान पर प्रकाश डाला।

श्री बड़ौली ने कहा, 'सावित्रीबाई फुले नारी शिक्षा और सामाजिक सुधारों की अग्रदूत हैं। उन्होंने महिलाओं को शिक्षा के मूल अधिकार से जोड़कर नारी सशक्तीकरण को नई दिशा दी। कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने शिक्षा की अलख जगाई और वंचित समाज के लिए समानता, सम्मान एवं स्वाभिमान का रास्ता खोला।'

उन्होंने आगे कहा कि सावित्रीबाई फुले ने सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध संघर्ष करते हुए देश का पहला बालिका विद्यालय स्थापित किया और समाज सुधार की मशाल जलाई। उनका प्रेरणादायी जीवन राष्ट्र निर्माण में सदैव मार्गदर्शक बना रहेगा। 'शोषितों-वंचितों और नारी उत्थान के लिए किए गए उनके अभूतपूर्व कार्य सदैव समाज के नवनिर्माण के लिए प्रेरित करते रहेंगे।'

कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष अशोक भारद्वाज, विधायक निखिल मदान, विधायक राजकुमार शर्मा, हरिप्रकाश सैनी सहित भाजपा कार्यकर्ता और गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

यह कार्यक्रम सावित्रीबाई फुले के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

साल बदलते हैं लेकिन हाल नहीं... दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण की ऐसी मार

नई दिल्ली। (जीएनएस)। साल 2025 में दिल्ली-NCR भारत के सबसे प्रदूषित शहरों में से एक रहा। दिल्ली-एनसीआर का प्रदूषण ऐसा हो गया है कि साल बदलते हैं लेकिन इसका हाल नहीं।

यहां प्रदूषण अब किसी मौसम नहीं बल्कि पूरे सालभर रहता है और यहां के लोगों की परेशानियां कम होने के बजाय बढ़ती जा रही हैं। प्रदूषण का मुद्दा सड़क से संसद तक गूंजा।

नया साल आ चुका है और घुटती सांसों का दौर भी जारी है। ऐसा नहीं है कि इसे बेहतर नहीं किया जा सकता है, तो बीते सालों से हम इस साल क्या सबक लेकर दिल्ली-एनसीआर की हवा को बेहतर बना सकते हैं, हमारी यह स्टोरी इसी की पड़ताल है।

सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (CREA) की नई रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में दिल्ली ठउफ के शहरों में सबसे अधिक प्रदूषित रही, इसके बाद गाजियाबाद और नोएडा का नंबर आता है।

सालाना आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले साल की तुलना में दिल्ली में PM2.5 का स्तर थोड़ा कम हुआ, लेकिन प्रदूषण सीजन (अक्टूबर-दिसंबर) में औसत स्तर 2024 से कुछ बढ़ गया।

दिल्ली के सभी 40 मॉनिटरिंग स्टेशनों पर PM2.5 का सालाना स्तर राष्ट्रीय मानक (40 माइक्रोग्राम/घन मीटर) से कम से कम 1.8 गुना अधिक दर्ज किया गया।

ऐसा रहा एनसीआर के 29 शहरों का हाल

NCR के 29 शहरों में से केवल 14 शहरों में 75% से अधिक PM2.5 डेटा कवरेज उपलब्ध था, जबकि शेष 15 शहर... हरियाणा में स्थित (बहादुरगढ़, सोनीपत, धारूहेड़ा, मानेसर, रोहतक, जींद, बल्लभगढ़, चरखी दादरी, पानीपत, करनाल, नारनौल, भिवानी, फरीदाबाद, मंडीखेड़ा और पलवल)—में मॉनिटरिंग अपर्याप्त रही।

'छावा' को पछाड़ नंबर 1 बनी धुरंधर, रणवीर सिंह की फिल्म ने बना डाला एक और बड़ा रिकॉर्ड

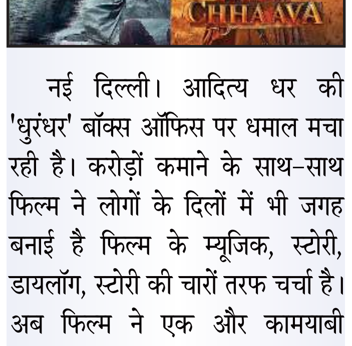

नई दिल्ली। आदित्य धर की 'धुरंधर' बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। करोड़ों कमाने के साथ-साथ फिल्म ने लोगों के दिलों में भी जगह बनाई है फिल्म के म्यूजिक, स्टोरी, डायलॉग, स्टोरी की चारों तरफ चर्चा है। अब फिल्म ने एक और कामयाबी हासिल की है। इस फिल्म ने दुनिया भर में बॉक्स ऑफिस पर ₹1100 करोड़ से ज्यादा की कमाई की है और अब यह टिकट प्लेटफॉर्म BookMyShow पर सबसे ज्यादा बिकने वाली बॉलीवुड फिल्म बन गई है।

राजभवन में समयपूर्व रिहाई संबंधी प्रस्तावित शासनादेश पर समीक्षा बैठक

राज्यपाल ने कारागार व्यवस्था में पारदर्शिता, सुधार और मानवीय दृष्टिकोण सुनिश्चित करने के निर्देश

लखनऊ, 3 जनवरी। प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में शनिवार को राजभवन में कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाएँ उत्तर प्रदेश द्वारा समयपूर्व रिहाई से संबंधित प्रस्तावित शासनादेश के संबंध में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में संबंधित विभाग के अधिकारियों द्वारा प्रस्तावित शासनादेश के विभिन्न प्रावधानों, उद्देश्यों, पात्रता मानदंड एवं प्रक्रिया पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया। राज्यपाल ने विषय की संवेदनशीलता और इसके सामाजिक प्रभाव को ध्यान में रखते हुए प्रस्तावित प्रावधानों की गहन समीक्षा की तथा आवश्यक सुझाव एवं दिशा-निर्देश प्रदान किए। राज्यपाल ने स्पष्ट किया कि समयपूर्व रिहाई की प्रक्रिया पारदर्शी, न्यायसंगत एवं सुधारात्मक उद्देश्य के अनुरूप

होनी चाहिए, जिससे बंदियों के अधिकारों की रक्षा के साथ साथ समाज में पुनर्वास की प्रक्रिया सुदृढ़ हो सके।

मानवीय दृष्टिकोण के साथ मूलभूत सुविधाओं पर बल

राज्यपाल ने कारागारों में निरुद्ध बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की समीक्षा करते हुए स्वच्छता, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं कौशल विकास को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बंदियों के साथ मानवीय व्यवहार कारागार सुधार की आधारशिला है।

आधुनिक तकनीक के उपयोग से कारागार व्यवस्था सुदृढ़ करने पर जोर

बैठक के दौरान राज्यपाल ने गुजरात स्थित नेशनल फॉरेंसिक साइंस विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय रक्षा शक्ति महाविद्यालय तथा इसरो के स्पेस एप्लीकेशन सेंटर के अपने हालिया दौरों के अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि इन संस्थानों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, फॉरेंसिक विज्ञान एवं आधुनिक तकनीकों के प्रभावी उपयोग से जांच प्रक्रियाएं अधिक वैज्ञानिक एवं सटीक बनी हैं। राज्यपाल ने अधिकारियों को ऐसे प्रतिष्ठित संस्थानों के अध्ययन भ्रमण के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि नवीन तकनीकों और नवाचारों को अपनाकर कारागार व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।

व्यवस्था और पारदर्शी, फर्जी लाभार्थियों पर रोक लगाएगी फैमिली आईडी

(जीएनएस)।

लखनऊ, 3 जनवरी। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़ा व्यक्ति भी सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। इसी दिशा में प्रदेश सरकार द्वारा फैमिली आईडी कार्ड के माध्यम से डायरेक्ट बेनीफिट ट्रांसफर (DBT) योजनाओं के शत-प्रतिशत लाभार्थियों को जोड़ने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। इससे व्यवस्था न सिर्फ और पारदर्शी हुई है, बल्कि फर्जी लाभार्थियों पर भी रोक लगाई जा सकेगी।

98 योजनाओं को फैमिली आईडी से जोड़ा गया

प्रमुख सचिव नियोजन आलोक कुमार ने बताया कि केंद्र और राज्य सरकार की कुल 98 जनकल्याणकारी योजनाओं को फैमिली आईडी से जोड़ा जा चुका है। इसका सीधा लाभ प्रदेश के 15 करोड़ 7 लाख से अधिक लाभार्थियों को मिल रहा है। फैमिली आईडी पोर्टल पर 44 लाख नागरिकों ने अब तक आवेदन किया है। शहरी क्षेत्र में लेखपाल और ग्रामीण क्षेत्र में ग्राम पंचायत अधिकारी के माध्यम से बनाया जाता है।

इस फैमिली आईडी प्रणाली के तहत एक ही पहचान संख्या से पूरे परिवार का विवरण उपलब्ध रहता है, जिससे योजनाओं का लाभ पारदर्शी और त्वरित तरीके से पात्र परिवारों तक पहुंचाया जा रहा है।

12 अंकों की फैमिली आईडी बनेगी योजनाओं की चाबी

फैमिली आईडी कार्ड 12 अंकों का विशिष्ट पहचान नंबर होता है, जिसमें परिवार के सभी सदस्यों की जानकारी दर्ज होती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप इस व्यवस्था का उद्देश्य 'एक परिवारझ्एक पहचान' के सिद्धांत को लागू करना है, ताकि पात्रता के आधार पर योजनाओं का स्वतः चयन हो सके और किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या दोहराव से बचा जा सके।

भागदौड़ से मिल रही राहत

फैमिली आईडी कार्ड लागू होने से नागरिकों को आय, जाति, निवास सहित अन्य प्रमाण पत्रों के लिए अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे। एक बार फैमिली आईडी पंजीकरण होने के बाद, विभिन्न योजनाओं के लिए आवश्यक जानकारियां इसी डेटाबेस से स्वतः उपलब्ध हो जा रही हैं। इससे समय, धन और श्रम—तीनों की बचत हो रही है।

योगी सरकार ने यह भी सुनिश्चित किया है कि जो परिवार किसी कारणवश राशन कार्ड से वंचित हैं, वे भी फैमिली आईडी के माध्यम से सरकारी योजनाओं से जुड़ सकें। इसके लिए विशेष पंजीकरण व्यवस्था की गई है, ताकि कोई भी पात्र परिवार सरकारी सहायता से बाहर न रहे।

फैमिली आईडी के लिए परिवार के सभी सदस्यों का आधार नंबर होना अनिवार्य है। साथ ही आधार का मोबाइल नंबर से लिंक होना भी जरूरी है, ताकि ओटीपी के माध्यम से सत्यापन किया जा सके। ▪

गोमती नदी पर बनेगा पेडेस्ट्रियन ब्रिज, शासन ने परियोजना पर लगायी मुहर

– 'मुस्कुराइए की आप लखनऊ में हैं' की थीम पर होगा 180 मीटर लंबा यह स्माइलिंग ब्रिज

– एडीसीपी ऑफिस के पास बनने वाला यह ब्रिज रिवर फ्रंट के दोनों किनारों को जोड़ेगा

– 18 माह में पूरा होगा निर्माण, 54 करोड़ रुपए आएगी कुल लागत, शासन ने 18.90 करोड़ जारी किये

गोमती नदी पर पेडेस्टियन ब्रिज के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। लगभग 54 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले इस 180 मीटर लंबे ब्रिज के लिए शासन ने मंजूरी दे दी है। ब्रिज का निर्माण 18 महीने में पूरा होगा, जिसके लिए शासन ने पहली किश्त के तौर पर 18.90 करोड़ रुपए की धनराशि भी स्वीकृत कर दी है। 'मुस्कुराइए की आप लखनऊ में हैं' की थीम पर बनने वाला यह पेडेस्ट्रियन ब्रिज लखनऊ को नयी पहचान देगा।

एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि अहमदाबाद के अटल ब्रिज की तर्ज पर गोमती नदी पर एडीसीपी ऑफिस के पास पेडेस्ट्रियन ब्रिज का निर्माण किया जाएगा, जोकि रिवर फ्रंट के दोनों किनारों को जोड़ेगा। ब्रिज की डिजाइन अनूठी व बेहद खास हो, इसके लिए आर्किटेक्ट डिजाइन कॉम्पटीशन आयोजित कराया गया था। इस प्रतियोगिता में देश भर से लगभग 25 आर्किटेक्ट संस्थाओं ने हिस्सा लेते हुए ब्रिज की ड्राइंग-डिजाइन भेजे थे।

मुंबई के 'आरवैम्प स्टूडियो' की डिजाइन चयनित

ज्यूरी पैनल ने मुंबई की संस्था 'आरवैम्प स्टूडियो' की डिजाइन को चयनित किया। जिसके आधार पर पेडेस्ट्रियन ब्रिज का निर्माण कराया जाएगा। यहां ब्रिज बनने से गोमती नदी के दायें किनारे पर लोगों की आवाजाही बढ़ेगी और वहां विकसित क्रिकेट स्टेडियम, विवाह स्थल, किड्स प्ले एरिया, एम्फीथिएटर, फ्लोटिंग रेस्टोरेंट, वॉटर स्पोर्ट्स आदि गतिविधियों की उपयोगिता भी बढ़ेगी।

12 मीटर चौड़ा होगा ब्रिज

उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि नदी पर यह ब्रिज 180 मीटर लंबा होगा। जबकि, रैम्प और प्लेटफार्म को मिलाकर इसकी कुल लंबाई 380 मीटर तक होगी। लोग आसानी से चहलकदमी कर सके, इसके लिए ब्रिज की चौड़ाई 12 मीटर रखी जाएगी। ब्रिज के स्ट्रक्चर को संभालने के लिए 13 पीयर्स बनाए जाएंगे। पुल के तल पर 30 मीटर और 40 मीटर चौड़े स्पैन प्लेट गर्डर्स दिये जाएंगे, जहां लोग खड़े होकर नदी का नजारा देख सकेंगे। इसके अलावा स्टील ट्यूबलर सेक्शन से ब्रिज के किनारों की संरचना की जाएगी।

पेडेस्ट्रियन ब्रिज 'मुस्कुराइए की आप लखनऊ में हैं' की स्माइलिंग थीम पर होगा, जिसकी झलक इसकी डिजाइन में भी दिखेगी।

कुशीनगर: योगी सरकार की सौगात—नारायणी नदी पर 715 करोड़ से बनेगा भैंसहा पुल, 50 हजार दियारा वासियों को मिलेगी राहत

कुशीनगर,

उत्तर प्रदेश और बिहार के लोगों के लिए बड़ी खुशखबरी। कुशीनगर में पनियहवा के भैंसहा घाट पर नारायणी नदी पर भैंसहा पुल के निर्माण को वित्तीय स्वीकृति मिल गई है। उत्तर प्रदेश स्टेट ब्रिज कारपोरेशन लिमिटेड ने पुल का मानचित्र जारी कर दिया है। 715.73 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह पुल 4.5 किमी लंबा और 11.5 मीटर चौड़ा होगा। पुल पर 7.5 मीटर चौड़ी टू-लेन सड़क बनेगी और 150-160 पीलर पर खड़ा किया जाएगा।

कुशीनगर भैंसहा पुल मानचित्र 2026

कुशीनगर में नारायणी नदी पर भैंसहा पुल का मानचित्र।

यह पुल कुशीनगर और महाराजगंज के दियारा क्षेत्र के लगभग 50 हजार लोगों को मुख्यधारा से जोड़ेगा। बरसात में संपर्क कट जाने की समस्या दूर होगी। छात्रों, रोगियों, किसानों, और व्यवसायियों को सुरक्षित आवागमन मिलेगा। पुल 2-3 वर्षों में बनकर तैयार होने की उम्मीद है।

खड्डा विधायक विवेकानंद पांडेय ने कहा, 'मेरी पहल पर शासन ने स्वीकृति दी। सर्वे रिपोर्ट जारी हो चुकी है। आगणन भी स्वीकृत। इससे गोरखपुर-वाल्मीकिनगर डबल लाइन भी जुड़ेगी।'

पुल की प्रमुख विशेषताएं

लागतः 715.73 करोड़ रुपये।

लंबाईः 4.500 किमी।

चौड़ाईः 11.5 मीटर (सड़क 7.5 मीटर टू-लेन)।

संरचनाः 150-160 पीलर।

सुविधाएंः पक्की सड़क, जलनिकासी, बिजली पोल, दोनों तरफ ऊंची रेलिंग।

लाभः दियारा क्षेत्र के गांवों (हरिहरपुर, बसंतपुर, मरिचहवा, शिवपुर, भैंसहा टोला बालगोविंद छपरा, शाहपुर टोला विंध्यांचलपुर, शिकारपुर, भोथहां, सोहगीबरवा आदि) को मुख्य मार्ग से जोड़ेगा।

विधायक पांडेय ने कहा, 'बरसात में दियारा वासियों का संपर्क कट जाता था। पुल से यह समस्या हमेशा के लिए खत्म हो जाएगी।'

यह पुल यूपी-बिहार के लोगों के लिए योगी सरकार की बड़ी सौगात है। दियारा क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी।

कुशीनगर: विश्व का सबसे बड़ा शिवलिंग गुजरा बॉर्डर से, 33 फीट ऊंचाई और 180 टन वजन—श्रद्धालुओं ने फूल मालाओं से किया स्वागत

कुशीनगर, (जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में धर्म और आस्था का अद्भुत नजारा देखने को मिला। तमिलनाडु के महाबलीपुरम से बिहार के चंपारण तक जा रहा विश्व का सबसे बड़ा शिवलिंग जनपद के बॉर्डर सुकरौली से गुजरा। नेशनल हाईवे पर श्रद्धालुओं का तांता लग गया। लोग जगह-जगह रोककर फूल मालाओं से स्वागत कर रहे थे।

यह एकल पाषाण (सिंगल स्टोन) से निर्मित शिवलिंग इतना विशाल है कि इसे ले जाने के लिए 111 पहियों वाले विशेष ट्राले का उपयोग किया जा रहा है। चालक दल के सदस्य आलोक सिंह ने बताया कि शिवलिंग की ऊंचाई 33 फीट और गोलाई भी 33 फीट है। इसका वजन लगभग

180 टन है। यह कश्मीर से कन्याकुमारी को जोड़ने वाले देश के सबसे लंबे नेशनल हाईवे के रास्ते ले जाया जा रहा है।

शिवलिंग को देखकर श्रद्धालु भावविभोर हो गए। कई लोग हाथ जोड़कर प्रणाम कर रहे थे। यह दृश्य आस्था की अनुपम मिसाल बन गया।

शिवलिंग की विशेषताएं

निर्माण स्थानः तमिलनाडु का महाबलीपुरम।

गंतव्यः बिहार का चंपारण।

वजनः 180 टन।

ऊंचाई और गोलाईः 33 फीट।

ट्रालाः 111 पहियों वाला विशेष वाहन।

विशेषताः विश्व का सबसे बड़ा शिवलिंग माना जा रहा है।

यह शिवलिंग बिहार में स्थापित किया जाएगा। रास्ते में कई राज्यों से गुजरते हुए श्रद्धालुओं का उत्साह देखते बन रहा है।

मुख्यमंत्री योगी से मिले सीआईआई के प्रतिनिधि, राज्य में व्यापार और निवेश का बन रहा बेहतर माहौल

(जीएनएस)।

लखनऊ, बेहतर कानून व्यवस्था और स्थिर प्रशासनिक माहौल के चलते उत्तर प्रदेश अब देशभर के उद्योग जगत की पहली पसंद बनता जा रहा है। सुरक्षा, अनुशासन और निष्पक्ष शासन ने निवेशकों का भरोसा प्रदेश में मजबूत किया है। इसके परिणामस्वरूप बड़े, मध्यम और छोटे तीनों सेगमेंट के उद्योग तेजी से उत्तर प्रदेश की ओर रुख कर रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात के दौरान उद्योग प्रतिनिधियों ने स्पष्ट रूप से अपनी बात रखी। मुख्यमंत्री से भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के अध्यक्ष श्री राजीव मेमानी, नई दिल्ली, श्री उमाशंकर भरतिया, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, इण्डिया ग्लाइको लि०, दिल्ली / नोएडा व श्री सुनील मिश्रा ने मुलाकात कर निवेश, इंफ्रास्ट्रक्चर और औद्योगिक विस्तार को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया। प्रतिनिधियों ने कहा कि सीएम योगी के नेतृत्व में प्रदेश का सिस्टम और गवर्नेंस मॉडल पूरी तरह बदला है। अब जमीन पर काम करना पहले की तुलना में कहीं अधिक आसान हुआ है और परियोजनाएं समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ रही हैं।

मा० मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी मिलते हुए श्री राजीव मेमानी, अध्यक्ष, सी०आई०आई०, नई दिल्ली, श्री उमाशंकर भरतिया, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, इण्डिया ग्लाइको लि० दिल्ली / नोएडा व श्री सुनील मिश्रा

प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन अर्थव्यवस्था बनाने के विजन में उद्यमी सहयोग करना चाह रहे हैं। सीएम योगी के साथ इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट बढ़ाने के लिए भी विचार विमर्श किया गया। उत्तर प्रदेश में डिक्रिमिनलाइजेशन विधेयक लागू होने के बाद इंडस्ट्री का भरोसा और बढ़ा है। इसके साथ ही प्रदेश की निवेश अनुकूल नीतियों और प्रोत्साहन के कारण ग्लोबल इन्वेस्टमेंट बढ़ रहा है।

एक्सप्रेसवे, औद्योगिक कॉरिडोर, एयरपोर्ट और लॉजिस्टिक्स हब से औद्योगिक इकोसिस्टम को मिली मजबूती

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलकर प्रतिनिधिमंड ने स्पष्ट रूप से कहा कि सख्त कानून-व्यवस्था ने उत्तर प्रदेश का औद्योगिक वातावरण पूरी तरह बदल दिया है। निवेश निर्णयों के लिए आवश्यक सुरक्षा और प्रशासनिक स्थिरता प्रदेश में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। एक्सप्रेसवे, औद्योगिक कॉरिडोर, एयरपोर्ट, लॉजिस्टिक्स हब तथा बिजली-पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं के तेज विकास ने राज्य के औद्योगिक इकोसिस्टम को नई मजबूती प्रदान की है।

सिंगल-विंडो सिस्टम और डिजिटल प्रक्रियाओं से उद्योग स्थापना हुई आसान

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ हुए विचार-विमर्श में यह भी सामने आया कि ईज ऑफ डूइंग बिजनेस अब केवल नीति तक सीमित नहीं रहा, बल्कि वह जमीन पर प्रभावी रूप से लागू हो रहा है। प्रदेश सरकार की सिंगल-विंडो सिस्टम सेवा निवेश मित्र जहां वर्तमान में 43 विभागों की 525 से अधिक सेवाएं उपलब्ध है, जहा भौतिक हस्तक्षेप के बिना समयबद्ध डिजिटल स्वीकृतियों के चलते प्रदेश में उद्योग स्थापना की प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाया है। राज्य सरकार की प्रो-इंडस्ट्री नीति और त्वरित निर्णय क्षमता निवेश को निरंतर प्रोत्साहित कर रही है। इसी क्रम में उच्चीकृत निवेश मित्र 3.0 को जल्द लांच किया जायेगा जिसमें एआई व चैटबाट जैसी सुविधाओं से निवेशकों की निवेश यात्रा और आसान होगी ।

यूपी में नए निवेश और विस्तार योजनाओं को लेकर उद्यमी उत्साहित

प्रतिनिधियों ने कहा कि समग्र रूप से बेहतर कानून व्यवस्था, सशक्त इंफ्रास्ट्रक्चर, पारदर्शी प्रशासन और उद्योगों को मिल रहे सहयोग के चलते उत्तर प्रदेश एक विश्वसनीय और स्थिर निवेश राज्य के रूप में उभर रहा है। यही कारण है कि देशभर के विभिन्न क्षेत्रों के उद्योगपति आने वाले समय में यूपी में नए निवेश और विस्तार योजनाओं को लेकर बेहद उत्साहित हैं। इसके साथ ही प्रदेश में औद्योगिक इकाइयों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि तय मानी जा रही है।

हरदोई कछौना: उद्योग व्यापार मंडल की मानवीय पहल—विधायक रामपाल वर्मा ने जरूरतमंदों को बांटे कंबल, ठंड में मिली राहत

(जीएनएस)।

हरदोई, भीषण ठंड से जूझ रहे जरूरतमंदों को राहत पहुंचाने की एक सराहनीय पहल में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल कछौना इकाई ने निःशुल्क कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया। मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक रामपाल वर्मा ने नगर अध्यक्ष राधारमण शुक्ला उर्फ पंकज और जिला अध्यक्ष विमलेश दीक्षित के साथ असहाय, दिव्यांग एवं गरीब परिवारों को कंबल वितरित किए। कंबल पाकर जरूरतमंदों के चेहरों पर मुस्कान खिल उठी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक रामपाल वर्मा ने कहा, 'समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति की सेवा करना ही सच्ची सेवा है। संकट के समय जरूरतमंदों के साथ खड़ा होना और सहायता पहुंचाना वास्तविक मानवता है। ऐसे कार्य

समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं।'

नगर अध्यक्ष राधारमण शुक्ला उर्फ पंकज ने कहा कि कछौना इकाई की यह पहल सामाजिक उत्तरदायित्व का उदाहरण है। मंडल विगत वर्षों से कपड़ा वितरण, कोविड सहायता, और सर्दी में कंबल वितरण जैसे जनकल्याणकारी कार्य करता आ रहा है।

प्रधानाचार्य राम शंकर शुक्ला ने सनातन धर्म के मंत्र 'परहित सरिस धर्म नाहि भाई' का उल्लेख करते हुए कहा कि परोपकार ही सर्वोच्च धर्म है।

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष रवि गुप्ता ने कहा कि संगठन समाज के सुख-दुःख में सदैव साथ खड़ा रहता है और व्यापारी बंधुओं के सहयोग से ऐसे कार्य निरंतर जारी रहेंगे। जिला अध्यक्ष विमलेश दीक्षित ने कछौना मंडल की गतिविधियों की सराहना की।

कार्यक्रम का संचालन चेयरपर्सन क्रांतिवीर सिंह उर्फ रैना ने किया।

उपस्थित प्रमुख लोग

कार्यक्रम में संरक्षक रामखेलावन गुप्ता, राम शंकर गुप्ता, शिवकुमार गुप्ता, भाजपा जिला मंत्री अजय शुक्ला, मंडल अध्यक्ष मयंक सिंह, ग्राम प्रधान रानू बाजपेई, सर्व वैश्य समाज अध्यक्ष तुलसी गुप्ता, महामंत्री अवधेश गुप्ता, पूर्व प्रधान सत्य प्रकाश मिश्रा, नीरज शुक्ला, सुनील सोनी, प्रकाश चंद्र गुप्ता, हरिओम गुप्ता, राहुल गुप्ता, शांतनु गुप्ता, रामेंद्र सिंह, पुनीत गुप्ता, दिवाकर शर्मा, मनोज पांडेय, अनूप सिंह सहित बड़ी संख्या में व्यापारी, जनप्रतिनिधि और प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

हरदोई बेहटा गोकुल: रुपये मांगने पर इनकार से नाराज घरेलू सहयोगी ने की वृद्धा की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

हरदोई बेहटा गोकुल (जीएनएस)। हरदोई जिले के बेहटा गोकुल थाना क्षेत्र के ग्राम बलेहरा में 30/31 दिसंबर की रात हुई 62 वर्षीय वृद्धा सावित्री देवी की निर्मम हत्या का पुलिस ने सफल खुलासा कर दिया है। जांच में सामने आया कि मृतका के घर घरेलू कार्य करने वाला पारिवारिक सदस्य संदीप सिंह उर्फ शैलू पुत्र विजय कुमार (निवासी ग्राम बलेहरा) ने ही रुपये मांगने पर इनकार होने से नाराज होकर प्रेस के तार से गला कसकर हत्या की थी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है।

पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और शीघ्र खुलासे के निर्देश दिए।

रहअळ, सर्विलांस, और रडऋ्‌टीम की संयुक्त कार्रवाई में आरोपी पकड़ा गया। पूछताछ में उसने अपराध कबूल कर लिया।

घटना का विवरण

31 दिसंबरः मृतका के सौतेले पुत्र अतुल सिंह (निवासी महदोईया, लखनऊ) ने थाना बेहटा गोकुल में तहरीर दी कि सावित्री देवी की गले में तार कसकर हत्या की गई।

FIR: अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज।

खुलासाः आरोपी संदीप घरेलू कार्य करता था। रुपये मांगने पर मना करने से विवाद हुआ। नाराजगी में रात में सोते समय गला कसकर हत्या की।

SP मीणा ने कहा, 'ऐसे अपराधों पर कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।'

कार्रवाई में शामिल टीम

थानाध्यक्षः धर्मेंद्र गिरि

उपनिरीक्षकः राकेश कुमार, राजेश कुमार, अब्दुल जब्बार

हेड कांस्टेबलः मंदीप सिंह

कांस्टेबलः रोहित कुमार, राहुल कुमार, राजीव कुमार

रहअळ/सर्विलांस/रडऋ्‌टीम

आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया। जांच जारी है।

यह घटना घरेलू सहयोगियों पर विश्वास और सुरक्षा के मुद्दे को उजागर करती है।

छावनी क्षेत्र में रैन बसेरा का शुभारंभ, जरूरतमंदों को मिली ठंड से राहत

(जीएनएस)।

लखनऊ। छावनी क्षेत्र में ठंड से राहत प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए शुक्रवार को आश्रय स्थल (रैन बसेरा) का उद्घाटन किया गया। कार्यालय छावनी परिषद, लखनऊ एवं लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट (मध्य) के सहयोग से यमुना सामुदायिक केंद्र, नेहरू रोड, कैंट लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में प्रातः 11:30 बजे रैन बसेरा का विधिवत शुभारंभ किया गया। उद्घाटन डीसीपी लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट (मध्य) वीर

विक्रम सिंह, छावनी परिषद लखनऊ के सीईओ अभिषेक राठौर तथा छावनी परिषद के नामित सदस्य प्रमोद शर्मा द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

इस अवसर पर रैन बसेरा में मौजूद लगभग 30 जरूरतमंद लोगों को कंबल एवं फल वितरित किए गए। अधिकारियों ने कहा कि शीतलहर के मौसम में बेघर और असहाय लोगों को सुरक्षित आश्रय उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। रैन बसेरा में ठहरने, साफ-सफाई और मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था की गई है, ताकि जरूरतमंद लोग ठंड से सुरक्षित रह सकें। कार्यक्रम में लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट की ओर से एसीपी कैंट अभय प्रताप मल्ल, थाना अध्यक्ष कैंट गुरुप्रीत कौर, एसएसआई कैंट सूर्य बली यादव, उपनिरीक्षक दिनेश प्रसाद, महिला उपनिरीक्षक सोनिया सिंह सहित पुलिसकर्मी मौजूद रहे। वहीं छावनी परिषद लखनऊ की ओर से प्रशासनिक अधिकारी समरेन्द्र सिंह, स्वास्थ्य अधीक्षक मनीष कुमार, भंडार रक्षक जैनेन्द्र तिवारी तथा अन्य कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

अधिकारियों ने बताया कि आगे भी जरूरतमंदों के लिए इस प्रकार के राहत कार्य जारी रहेंगे और ठंड के मौसम में किसी को भी असुविधा न हो, इसके लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है।

निशातगंज के पास से निकाला जा रहा ग्रीन कोरिडोर

लखनऊः निशातगंज के पास से निकाला जा रहा ग्रीन कोरिडोर

ग्रीन कोरिडोर के पास जमा हो गया था मलबा

आज एलडीए ने कोरिडोर के पास से हटाया मलबा

एलडीए की कार्रवाई की दौरान उपस्थित रही स्थानीय पुलिस

एलडीए के बुलडोजर ने हटाया मलबा,

थाना महानगर थाना क्षेत्र में चला एलडीए का बुलडोजर।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

अमेरिका के सबसे बड़े शहर के मेयर बने ममदानी

जोहरान ममदानी ने एक जनवरी 2026 को न्यूयार्व के मेयर पद की शपथ ले ली है। वह शहर के 111वें मेयर और बीते 100 साल में सबसे कम उम्र के मेयर बनकर इतिहास रच चुके हैं। शहर के 111वें मेयर के तौर पर जोहरान ममदानी ने एक पुराने सबवे में आयोजित निजी समारोह में कुरान को हाथ में ले शपथ ली। क्वीन्स प्रांत के प्रातिनिधि रह चुके 34 वषाय ममदानी अब अमेरिका के सबसे बड़े शहर के मेयर बनने वाले दक्षिण एशियाई मूल के और मुस्लिम समुदाय के पहले व्यक्ति हो गए हैं। जोहरान ममदानी ने कभी अपने मुस्लिम होने को छिपाया नहीं बल्कि खुलकर कहा मैं एक मुसलमान हूं। 34 साल के ममदानी 100 साल से भी अधिक समय में न्यूयार्व के सबसे युवा, पहले मुसलमान और दक्षिण एशियाई मूल के मेयर बने हैं। मेयर पद के लिए मुख्य मुकाबला जोहरान ममदानी और एंड्रयू वुओमो के बीच था। उनके चुनाव ने प्रोग्रोसिव लोगों के लिए एक बड़ा बदलाव लाया जो शहर के राजनीतिक वेंद्र में बदलाव का संकेत था। चुनाव जीतने के बाद ममदानी ने आधे घंटे लंबे भाषण में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधा था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव से पहले ममदानी को वोट न देने की अपील की थी। उन्होंने प्री बस सेवा, यूनिवर्सल चाइल्डकेयर और बढ़ती महंगाई काबू करने समेत अपने सभी चुनावी वादों को पूरा करने की बात कही।

जोहरान ममदानी का जन्म 1991 में युगांडा की राजधानी कंपाला में हुआ था। उनके पिता ने उन्हें एक व्रांतिकारी और घाना के पहले प्राधानमंत्री क्वामे एनव्रूमा के नाम पर मिडिल नेम क्वामे दिया था। ममदानी बता दें कि मशहूर भारतीय-अमेरिकी फिल्म निर्देशक मीरा नायर और कोलंबिया यूनिवर्सिटी के जाने-माने प्रोपेसर महमूद ममदानी के बेटे हैं। ममदानी ने कहा था कि उनका शपथ ग्राहण न्यूयार्व के लिए एक नए युग की शुरूआत का प्रातीक होगा। इससे न्यूयार्व के कामकाजी कर्मचारियों को आवश्यक रूप से वेंद्र में रखा जाएगा। जोहरान ममदानी ने दिल्ली के जेएनयू छात्र नेता और 2020 से जेल में बंद उमर खालिद को एक पत्र लिखकर कहा कि मैं आपको याद कर रहा हूं और आपके बारे में सोच रहा हूं। ममदानी के इस पत्र की भारत सरकार ने आलोचना की है और कहा है कि वे हमारी न्याय व्यवस्था पर प्राश्न उठा रहे हैं जोकि उन्हें कोई अधिकार नहीं है। ममदानी की जीत साधारण जीत नहीं मानी जा सकती। न्यूयार्व खरबपतियों का शहर है जहां पर यहूदी लॉबी बहुत शक्तिशाली है। तमाम उद्योगपतियों के विरोध और यहूदी लॉबी के विरोध के बावजूद ममदानी की जीत ऐतिहासिक मानी जाएगी। एक समय तो खुद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ममदानी के खिलाफ प्राचार में उतर गए थे और यहां तक कहा था कि देखता हूं यह वैसे जीतता है? ट्रंप उन्हें कम्युनिस्ट तक कह चुके हैं। ममदानी को दाद देनी होगी कि उन्होंने न तो अपने मूल को छुपाया और न ही अपने धर्म को। उनकी जीत से अमेरिका के अंदर सियासी समीकरण बदलने की आशंका जताई जा रही है। उनके व्रांतिकारी वादे जो वुछ-वुछ आम आदमी पाटा के नारों से मिलते हैं, क्या रंग लाते हैं देखना होगा। यह भी देखने लायक होगा कि अब जब ममदानी न्यूयार्व जैसे दुनिया के सबसे शक्तिशाली शहर के मेयर बन चुके हैं। राष्ट्रपति ट्रंप इनके साथ कौन सा रवैया अपनाते हैं? हम जोहरान ममदानी को उनकी अप्रात्याशित जीत पर हार्दिक बधाई देते हैं और उम्मीद करते हैं कि वो अपने वादों पर खरे उतरेंगे और अपने समर्थकों को निराश नहीं करेंगे। पर रास्ता आसान नहीं होगा। उन्होंने कांटे भरा रास्ता चुना है।

न्यूयॉर्क में खुलने जा रहा सबसे अनोखा 'डेटिंग कैफे', एआई से लड़ेगा इश्क; दिल टूटने का भी नहीं होगा डर

(जीएनएस)।

क्या आपने कभी सोचा है कि आप किसी कैफे में जाएं, टेबल पर मोमबत्ती जली हो, माहौल रोमांटिक हो, लेकिन सामने कोई इंसान न बैठा हो?

कल्पना कीजिए एक रोमांटिक शाम की... मद्धम रोशनी, खूबसूरत सजावट, लेकिन टेबल पर कुर्सियां दो नहीं, बल्कि सिर्फ एक। यह किसी फिल्म का सीन नहीं, बल्कि न्यूयॉर्क में जल्द खुलने वाले दुनिया के पहले 'अक डेटिंग कैफे' की तस्वीर है। अब तक एआई के साथ रिश्ते सिर्फ मोबाइल की स्क्रीन तक ही सीमित थे, लेकिन अब 'ईवीए एआई' इस रिश्ते को एक कदम आगे ले जा रहा है। यहां लोग किसी इंसान के साथ नहीं, बल्कि अपने डिजिटल पार्टनर के साथ डेट पर जाएंगे। आइए, विस्तार से जानते हैं इसके बारे में।

क्या है इस अनोखे कैफे का कॉन्सेप्ट?

'ईवीए एआई' नामक रिलेशनशिप ऐप इस अनूठे पॉप-अप कैफे को शुरू कर रहा है। इस कैफे का पूरा कॉन्सेप्ट 'सोलो डेट' यानी खुद के साथ डेट पर आधारित है। यहां की व्यवस्था आम रेस्टोरेंट से बिल्कुल अलग होगी:

सिर्फ एक कुर्सी: हर टेबल पर दो नहीं, बल्कि सिर्फ एक कुर्सी होगी।

फोन स्टैंड: कुर्सी के सामने इंसान की जगह एक फोन स्टैंड लगा होगा।

रोमांटिक माहौल: कैफे में डिम लाइटिंग और मिनिमल डिजाइन के साथ पूरी तरह रोमांटिक माहौल तैयार किया जाएगा।

यहां आने वाले लोग अपने मोबाइल पर ईवीए एआई ऐप खोलकर अपने एआई पार्टनर के साथ बातचीत कर सकेंगे। यहां किसी भी तरह की इंसानी बातचीत की जरूरत नहीं होगी। इसका मकसद लोगों को शांति से अपने डिजिटल साथी के साथ वक्त बिताने का मौका देना और एआई-'मन रिश्तों को नॉर्मल बनाना है।

आखिर लोग एआई को क्यों चुन रहे हैं?

यह ट्रेंड दुनिया भर में बढ़ते

अकेलेपन की समस्या का नतीजा है। विशेषज्ञों के मुताबिक, एआई साथी की सबसे खास बात यह है कि वह न तो कभी थकता है, न नाराज होता है और न ही नखरे दिखाता है। वह 24 घंटे आपके लिए उपलब्ध रहता है। यही वजह है कि कई लोग अब काउंसलर के रूप में भी इनका इस्तेमाल कर रहे हैं।

आंकड़े भी इस बात की गवाही देते हैं। हालिया डेटा के मुताबिक, 30 साल से कम उम्र के लगभग हर तीन में से एक पुरुष और हर चार में से एक महिला ने कभी न कभी एआई साथी से बातचीत की है।

इंसानी रिश्तों का अंत या नई शुरूआत?

इस नए चलन पर जानकारों की राय बंटी हुई है। लोगों का मानना है कि एआई हमेशा वही कहता है जो आप सुनना चाहते हैं और कभी आपको रिजेक्ट नहीं करता। उन्होंने चेतावनी दी है कि फिजिकल स्पेस में एआई डेटिंग को लाना कमजोर और अकेले लोगों का फायदा उठाने जैसा हो सकता है।

वहीं, कुछ लोगों का मानना है कि यह शर्मीले और सामाजिक रूप से असहज लोगों के लिए एक 'प्रैक्टिस स्पेस' की तरह काम कर सकता है, जिससे वे पब्लिक जगहों पर ज्यादा सहज हो सकें। हालांकि, डर यह भी है कि यह लोगों को असली रिश्तों की चुनौतियों और जरूरी भावनात्मक उतार-चढ़ाव से दूर कर सकता है।

कब और कैसे जा सकते हैं यहां?

ईवीए एआई का यह कैफे साल 2026 की पहली तिमाही में न्यूयॉर्क सिटी में खुलने की उम्मीद है। कंपनी ने इसके लिए एक वेटलिस्ट सिस्टम शुरू किया है। इच्छुक लोग ईवीए एआई की वेबसाइट या गूगल फॉर्म के जरिए अपना नाम लिखवा सकते हैं। कैफे के लाइव होते ही लोकेशन और टाइमिंग की जानकारी शेयर की जाएगी।

इस महीने से दौड़ेगी देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन, 140 किमी. प्रति घंटे होगी रफ्तार; न आवाज और ना ही फैलेगा प्रदूषण

(जीएनएस)।

देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन जींद पहुंच गई है, जो जींद-सोनीपत रूट पर चलेगी। चेन्नई में बनी यह ट्रेन 110-140 किमी/घंटा की रफ्तार से दौड़ेगी और इसमें 2,6 ...और पढ़ें

देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन वीरवार की शाम को यहां पहुंच गई। जींद-सोनीपत रूट पर ये ट्रेन चलेगी। इसी माह के अंत तक पटरी पर आने की उम्मीद है। चेन्नई की इंटीग्रल फैक्ट्री में तैयार की गई ये ट्रेन दिल्ली के शकूरबस्ती स्टेशन पर खड़ी थी। जहां से दिल्ली-बठिंडा रेल ट्रैक से होते ये ट्रेन जींद पहुंची है।

ट्रेन में दो डीपीसी (ड्राइवर पावर कार) और आठ यात्री बोगियां हैं। जल्द ही जींद रेलवे स्टेशन पर ट्रेन का लोड चेक के लिए फाइनल ट्रायल होगा। उसके बाद रेलवे आरडीएसओ (रिसर्च डिजाइन एंड स्टैंडर्ड आगेर्नाइजेशन) और ग्रीन एच कंपनी के अधिकारी रिपोर्ट बनाएंगे। इस रिपोर्ट पर पीएमओ से मंजूरी मिलने के बाद ट्रेन का संचालन शुरू हो जाएगा।

ये ट्रेन 110 से 140 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चलेगी। रेलवे का ये पायलट प्रोजेक्ट सफल रहता है, तो देश में बाकी जगहों पर भी हाइड्रोजन ट्रेन चलाई जाएंगी। ट्रेन में एक बार में 2,638 यात्री सफर कर सकेंगे। हैदराबाद स्थित रेलवे की मेधा सर्वो ड्राइव्स कंपनी ने हाइड्रोजन स्टेशन बनाने और रुफ्यूलिंग के लिए

ग्रीन एच इलेक्ट्रोलिसिस के साथ अनुबंध किया हुआ है।

ग्रीन एच द्वारा झज्जर में संयंत्र से हाइड्रोजन उत्पादन से संबंधित माल सप्लाई किया जाएगा। अभी तक दूसरे देशों में 500 से 600 हार्सपावर की क्षमता वाली हाइड्रोजन ट्रेन बनाई गई हैं। इस ट्रेन के लिए हाइड्रोजन ट्रेन में 1200 हार्सपावर की क्षमता वाला इंजन तैयार किया गया है।

हाइड्रोजन फ्यूल सेल द्वारा संचालित ये ट्रेन डीजल ट्रेनों के विपरीत इमिशन के रूप में सिर्फ पानी और हीट जनरेट करती हैं। यह ट्रेन पारंपरिक डीजल ट्रेनों का एक पर्यावरण एवं अनुकूल विकल्प है। जो शून्य कार्बन उत्सर्जन करती है। इसके इंजन धुएं के बजाय पानी व भाप छोड़ेंगे, जिससे प्रदषण नहीं फैलेगा। हाइड्रोजन ट्रेन में आवाज नहीं होगी। जींद से सोनीपत की दूरी लगभग 89 किलोमीटर है।

120 करोड़ से जींद में बनाया हाइड्रोजन प्लांट

जींद जंक्शन पर करीब 120 करोड़ रुपये से दो हजार वर्ग मीटर एरिया में बनाए हाइड्रोजन गैस प्लांट में टेस्टिंग का काम चल रहा है। इसमें 10 दिन का समय लगेगा। प्लांट में जमीन के नीचे हाइड्रोजन गैस का भंडारण तैयार किया गया है।

इसमें लगभग तीन हजार किलोग्राम गैस भंडारण की क्षमता है। प्लांट को हर घंटे 40 हजार लीटर पानी की जरूरत होगी। स्टेशन की छतों का वर्षा का पानी भी प्लांट तक पहुंचाया जाएगा। हाइड्रोजन गैस और आक्सीजन को अलग करने के बाद वेस्ट पानी का प्रयोग रेलवे कोचों की सफाई व सिंचाई में प्रयोग किया जा सकेगा।

अभी सीएनजी से चल रही है जींद-सोनीपत रूट पर ट्रेन

फिलहाल जींद-सोनीपत पर ट्रेन सीएनजी से चल रही है। ट्रेनों को बिजली, डीजल और सीएनजी के बजाय बहुत कम लागत वाली हाइड्रोजन गैस से चलाना केंद्र सरकार का ड्रीम प्रोजेक्ट है। हाइड्रोजन प्लांट का जो थोड़ा बहुत काम बाकी है, उसको तेजी से पूरा किया जा रहा है।

हाइड्रोजन ट्रेन यहां पहुंच गई है। अभी प्लांट में टेस्टिंग का काम चल रहा है। आठ से 10 दिन में ये काम पूरा हो जाएगा। उसके बाद ट्रेन का संचालन जींद-सोनीपत रूट पर किया जाएगा। ट्रेन कब चलेगी, इसकी तारीख अभी निर्धारित नहीं है।

– संजय कुमार, प्रोजेक्ट मैनेजर, हाइड्रोजन प्लांट

न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम का एलान, ईशान-संजू को नहीं मिला मौका; श्रेयस की हुई वापसी

(जीएनएस)।

सीनियर पुरुष चयन समिति ने शनिवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारत की टीम का चयन कर लिया है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए शनिवार को भारतीय क्रिकेट टीम का एलान किया गया। चोट के बाद वापसी कर रहे शुभमन गिल ही भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे। वहीं श्रेयस अय्यर को उपकप्तानी सौंपी गई है। टी20 विश्व कप को देखते हुए हार्दिक पांड्या और जसप्रीत बुमराह को आराम दिया गया है।

बीसीसीआई ने दी जानकारी

बीसीसीआई की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक, सीनियर पुरुष चयन समिति ने न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारत की टीम का चयन कर लिया है। यह सीरीज 11 जनवरी से वडोदरा के बीसीए स्टेडियम में

न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरू होगी। चोट के बाद श्रेयस अय्यर की वापसी हुई है। श्रेयस अय्यर की उपलब्धता बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से फिटनेस क्लीयरेंस मिलने पर निर्भर है।

हार्दिक को इसलिए नहीं मिला मौका

बोर्ड की ओर से दी गई जानकारी के मुताबकि, बीसीसीआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने हार्दिक पांड्या को एक मैच में 10 ओवर गेंदबाजी करने की अनुमति नहीं दी है। आगामी आईसीसी मेंस टी20 विश्व कप को देखते हुए उनके वर्कलोड को मैनेज किया जा रहा है।

वनडे सीरीज के लिए चुनी गई टीम में बतौर विकेटकीपर केएल राहुल और ऋषभ पंत को चुना गया है। पंत की खराब फॉर्म को देखते हुए कयास लगाए जा रहे थे कि ईशान किशन या संजू का आजमाया जा सकता है। हालांकि, सेलेक्टर्स ने ऐसा नहीं किया।

न्यूजीलैंड वनडे के लिए भारतीय टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (उपकप्तान)*, वॉशिंगटन सुंदर, रवींद्र जड़ेजा, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), नितीश कुमार रेड्डी, अर्शदीप सिंह, यशस्वी जायसवाल।

वनडे सीरीज का शेड्यूल

पहला वनडे: 11 जनवरी, वडोदरा

दूसरा वनडे: 14 जनवरी, राजकोट

तीसरा वनडे: 18 जनवरी, इंदौर

सर्दी-जुकाम में संतरा खाना सही या गलत? डॉक्टर ने बताया इसके पीछे का चौंकाने वाला सच

(जीएनएस)।

क्या आपने कभी सोचा है कि संतरा सर्दियों में ही क्यों आता है? दरअसल, इसके पीछे प्रकृति की एक खास प्लानिंग है।

संतरे में विटामिन-सी इम्यून सिस्टम मजबूत करता है

सर्दी में संतरा खाने से जुकाम नहीं होता, यह भ्रम है

मौसमी फल सर्दी-जुकाम से बचाते हैं, बीमार नहीं करते

लाइफस्टाइल डेस्क, नई दिल्ली। सर्दियों का मौसम आते ही बाजारों में संतरे दिखाई देने लगते हैं, लेकिन हम में से बहुत से लोग इस डर से संतरा खाने से बचते हैं कि इससे सर्दी या जुकाम हो जाएगा। क्या यह डर सही है? क्या वाकई सर्दी में संतरा नुकसान

करता है आइए डॉक्टर तरंग कृष्णा जानते हैं इसके पीछे का सच।

सर्दियों में आने वाले संतरे में विटामिन-सी की भरपूर मात्रा होती है। यह विटामिन आपके इम्यून सिस्टम को मजबूत और स्वस्थ रखने का काम करता है। जब आपका इम्यून सिस्टम मजबूत होता है, तो वह आपको ठंड और सर्दी से बचाता है। इसलिए, अगर आप सर्दियों में नियमित रूप से ताजे संतरों डाइट में शामिल करते हैं, तो आप बीमार नहीं पड़ेंगे।

यह एक बहुत बड़ा भ्रम है। अक्सर कहा जाता है कि संतरा नहीं खाना चाहिए क्योंकि इससे सर्दी और खांसी हो सकती है। लेकिन, यह सच नहीं है। हकीकत तो यह है कि अगर आप नियमित रूप से संतरा खाते हैं, तो आप सर्दियों में बीमार नहीं पड़ेंगे। डॉक्टर बताते हैं कि यही नियम आंवला पर भी लागू होता है। अगर आप आंवले का सेवन करते हैं, तो आपको कभी सर्दी नहीं पकड़ेगी और आप बीमार नहीं होंगे।

क्यों बीमार पड़ते हैं लोग?

अब सवाल यह उठता है कि अगर मौसमी फल अच्छे हैं, तो लोग बीमार क्यों पड़ते हैं? आप तब बीमार पड़ते हैं जब आप उन फलों का सेवन करते हैं जो कोल्ड स्टोरेज में रखे गए होते हैं और सर्दियों में बाजार में बिकते हैं।

डॉक्टर कहते हैं, सर्दियों में मिलने वाले सभी मौसमी फलों का सेवन बेझिझक करना चाहिए। संतरा और आंवला जैसे फल आपको बीमार

ट्रंप के दावे पर बवाल: मादुरो के पकड़े जाने की बात पर वेनेजुएला ने मांगा 'प्रूफ ऑफ लाइफ'

(जीएनएस)।

वेनेजुएला की राजधानी काराकस में शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात एक के बाद एक कई धमाके हुए। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने कहा कि वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को पकड़ लिया गया है और देश से बाहर भेज दिया गया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी पुष्टि की कि अमेरिका ने वेनेजुएला के खिलाफ सफलतापूर्वक बड़े पैमाने पर हमला किया है। आइए जानते हैं वेनेजुएला में हुए विस्फोटों से जुड़े कुछ 10 महत्वपूर्ण बिंदु...

ट्रंप ने कहा कि वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी, सिलिया फ्लोरेस को पकड़ लिया गया है और देश से बाहर भेज दिया गया है। अमेरिका ने 1989 में तत्कालीन नेता मैनुअल नोरीगा को सत्ता से हटाने के लिए पनामा पर आक्रमण के बाद से किसी भी लैटिन अमेरिकी देश में इस तरह का प्रत्यक्ष हस्तक्षेप नहीं किया था।

ट्रंप की आधिकारिक घोषणा से कुछ घंटे पहले, वेनेजुएला की राजधानी काराकस के आसपास जोरदार धमाकों की आवाजें सुनाई दीं। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में शहर भर में कई इमारतें जलती हुई दिखाई दे रही थीं।

एसोसिएटेड प्रेस के मुताबिक, वेनेजुएला में शनिवारको कम से कम सात धमाके हुए हैं और कई फाइटर जेट्स भी उड़ान भरते हुए देखे गए जिसके बाद अलग-अलग इलाकों के लोग घबराकर सड़कों पर निकल आए।

राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की सरकार ने कहा कि वेनेजुएला, संयुक्त राज्य अमेरिका की वर्तमान सरकार द्वारा वेनेजुएला की धरती और लोगों के खिलाफ किए गए अत्यंत गंभीर सैन्य आक्रमण को अंतरराष्ट्रीय समुदाय के समक्ष अस्वीकार करता है, उसकी निंदा करता है और उसे अस्वीकार करता है।

सीबीएस न्यूज और फॉक्स न्यूज जैसे मीडिया आउटलेट्स ने बताया कि काराकस में हुए सिलसिलेवार हमलों के पीछे अमेरिकी सेना का हाथ था। अमेरिकी मीडिया ने अज्ञात अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि अमेरिकी सेना इसमें शामिल थी।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप कई हफ्तों से वेनेजुएला में ड्रग कार्टेल पर जमीनी हमले की धमकी दे रहे थे। ट्रंप प्रशासन ने कैरिबियन सागर में भारी नौसैनिक और एयर फोर्स भी तैनात की है, जिसमें अमेरिका का सबसे उन्नत विमानवाहक पोत, यूएसएस गेराल्ड आर फोर्ड और अन्य युद्धपोत शामिल थे।

सितंबर से लेकर अब तक अमेरिकी सेना ने कैरेबियन सागर और पूर्वी प्रशांत महासागर में कई नौकाओं पर हमले किए हैं। अमेरिका का कहना है कि इन हमलों में नशीले पदार्थों की तस्करी करने वाले लोग शामिल हैं। जिसमें 100 से अधिक लोग मारे गए हैं।

अमेरिकी सुरक्षा बलों ने वेनेजुएला पर लगाए गए तेल नाकाबंदी के तहत समुद्र में दो टैंकर भी जब्त किए हैं। ट्रंप ने निकोलस मादुरो पर ड्रग कार्टेल का मुखिया होने का आरोप लगाया है। उन्होंने हाल ही में कहा था कि मादुरो के लिए पद छोड़ देना समझदारी भरा कदम होगा और वेनेजुएला के नेता को चेतावनी दी थी कि उनके दिन गिने-चुने हैं।

मादुरो ने मादक पदार्थों के व्यापार में किसी भी तरह की संलिप्तता से इनकार किया है और कहा है कि वाशिंगटन उन्हें सत्ता से हटाने की कोशिश कर रहा है, क्योंकि वेनेजुएला के पास तेल का सबसे बड़ा भंडार है।

क्या है डेल्टा फोर्स? जिसने वेनेजुएला में दिया मिलिट्री ऑपरेशन को अंजाम; मादुरो को पकड़ने का दावा

(जीएनएस)।

अमेरिका ने वेनेजुएला में एक बड़ा सैन्य अभियान चलाया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिकी सैनिकों ने निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को पकड़ लिय

अमेरिका ने वेनेजुएला में एक बड़े मिलिट्री ऑपरेशन को अंजाम दिया है। राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिकी सैनिकों ने राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को पकड़ लिया है और उन्हें वेनेजुएला से बाहर ले जाया गया है।

ऑपरेशन के दौरान, वेनेजुएला की राजधानी काराकास और दूसरे इलाकों में धमाकों की आवाजें सुनी गईं, जिससे पता चलता है कि अमेरिकी सेना ने अहम ठिकानों पर हमले किए हैं। उइउ न्यूज के मुताबिक, यह मिशन डोल्टा फोर्स ने पूरा किया है, जो अमेरिकी सेना की टॉप स्पेशल मिशन यूनिट है।

क्या है डेल्टा फोर्स?

साल 1977 में स्थापित और फोर्ट ब्रैग, नॉर्थ कैरोलिना में स्थित, डेल्टा फोर्स दुनिया की सबसे एलीट और गुप्त मिलिट्री यूनिट्स में से एक है। यह अमेरिकन आर्मी स्पेशल ऑपरेशन कमांड के तहत काम करती है और ज्वाइंट स्पेशल ऑपरेशंस कमांड के प्रति जवाबदेह है। इसे १२३ स्पेशल फोर्सेज ऑपरेशनल डिटैचमेंट-डेल्टा के नाम से भी जाना जाता है।

इसका स्ट्रक्चर ब्रिटिश रउर जैसा है, जिसने डेल्टा के संस्थापक कर्नल चार्ल्स बेसविथ को डोल्टा फोर्स के गठन के लिए प्रेरित किया।

इसके काम की गंभीरता और अत्यधिक गोपनीयता को देखते हुए, ऐसी अफवाहें हैं कि इसने आर्मी कम्पार्टमेंटेड एलिमेंट्स (अउए), कॉम्बैट एप्लीकेशंस ग्रुप या डेल्टा जैसे कई नामों का इस्तेमाल किया है।

डेल्टा फोर्स का मुख्य काम

यह यूनिट हाई-रिस्क, हाई-वैल्यू मिशन में माहिर है और मुख्य रूप से आतंकवाद विरोधी अभियानों, बंधकों को बचाने, आतंकवादी खतरों को खत्म करने और पकड़ने और विशेष जासूसी का काम करती है।

यह यूनिट हाई-प्रोफाइल लोगों की करीबी सुरक्षा और गैर-परंपरागत युद्ध में भी ट्रेंड है, जिसमें ऑपरेटर्स स्नाइपिंग, क्लोज-क्वार्टर कॉम्बैट, विस्फोटक और सीक्रेट एंट्री तकनीकों में कुशल होते हैं। उन्हें विमानों, ट्रेनों, जहाजों और वाहनों पर ऑपरेशन संभालने के लिए ट्रेंड किया जाता है, जिससे वे किसी भी माहौल में किसी भी स्थिति में हस्तक्षेप कर सकें और नियंत्रण कर सकें।

डेल्टा फोर्स का स्ट्रक्चर

डेल्टा फोर्स को 4 मुख्य स्क्वाड्रन में बांटा गया है, और सभी को तीन टुकड़ियों में बांटा गया है। रेकी/स्नाइपर टुकड़ी, जो खुफिया जानकारी इकट्ठा करने और स्नाइपर मिशन को संभालती है और दो डायरेक्ट एक्शन/असॉल्ट टुकड़ियां जो लक्ष्यों पर हमला करने, छापे मारने और हाई-रिस्क मिशन पर ध्यान केंद्रित करती हैं।

सीएससी में फजीवाड़ाः तीन राज्यों की पुलिस कर रही पड़ताल

प्रयागराज, जन सेवा केंद्र (सीएससी) की फर्जी आइडी बनाकर हुई 16 लाख रुपये की साइबर ठगी के मामले के तार कई जनपदों से जुड़े हुए हैं। साइबर अपराधियों ने आंबेडकर नगर, भदोही, आजमगढ़ और गाजीपुर समेत अन्य कई जिलों के बिजली उपभोक्ताओं के बिल इसी फर्जी आइडी से जमा किए हैं। अब इनका भी ब्योरा खंगाला जा रहा है। प्रयागराज की साइबर टीम तो इसकी जांच में लगी ही है। इसके अलावा हरियाणा व दिल्ली की पुलिस भी मामले को सुलझाने के लिए प्रयास में जुटी है।सुरक्षा उपकरण बिक्री

साइबर थाने में दर्ज कराई थी एफआइआर

ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड के जिला प्रबंधक शैलेंद्र कुमार सिंह ने हनुमानगंज के चकचूरामन निवासी प्रिंस कुमार व दलापुर निवासी सीएससी संचालक कुलदीप कुमार यादव के खिलाफ पिछले दिनों साइबर थाने में एफआइआर दर्ज कराई थी।

हरियाणा में भी दर्ज है मुकदमा

ब्ढ थ्तंनक ब्ेम जिला प्रबंधन का आरोप है कि प्रिंस के नाम पर सीएससी की फर्जी आइडी बनाकर जालसाजी से वालेट में 16 लाख रुपये का टाप-अप किया गया। फिर इससे

11.04 लाख रुपये का लेनदेन हुआ। इसी से संबंधित एक एफआइआर हरियाणा के फरीदाबाद में टेंट व्यापारी सुरेश नागर दर्ज कराई है।यह केस सुरेश नागर के पेटीएम से प्रिंस के वालेट में 2.05 लाख के टाप-अप का है।

दिल्ली पुलिस से भी ली जा रही मदद

ब्ढ थ्तंनक ब्ेम इसके अलावा ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड के मुख्यालय की ओर से दिल्ली पुलिस से भी मदद ली जा रही है। इस तरह तीन राज्यों की पुलिस इस प्रकरण की छानबीन में जुटी है। पुलिस टीमें व एजेंसी के अधिकारी इस आइडी पर हुए लेन-देन का ब्योरा खंगाल रहे हैं।

साइबर अपराधियों ने तीन दिन में किए 648 लेन-देनप्रयागराज पर्यटन जानकारी

अब तक की छानबीन में कई अहम तथ्य निकल कर आए हैं। विभागीय सूत्र बताते हैं कि साइबर अपराधियों ने इस फर्जी आइडी से 12, 13 और 15 दिसंबर को 648 लेन-देन किए थे। आंबेडकर नगर, भदोही, आजमगढ़, गाजीपुर समेत अन्य कई जनपदों के 639 बिजली उपभोक्ताओं के बिल जमा किए गए। इसके अलावा आठ इंश्योरेंस हुए और एक मोबाइल के बिल का भुगतान किया गया। इस तरह 11.04 लाख रुपये वालेट से निकाले गए।

किसने किया सत्यापन, हो रही जांच

साइबर थाने की टीम ने मामले की जांच शुरू कर दी है। सबसे पहले यह देखा जा रहा है कि आइडी जारी करते समय सत्यापन किसने किया। कहीं ऐसा तो नहीं कि बिना सत्यापन के ही आइडी बना दी गई हो। या फिर सत्यापन में ही गड़बड़ी की गई हो। इसके अलावा पुलिस ने मामले में नामजद दोनों आरोपियों को भी पूछताछ के लिए बुलाया है। साइबर थाना प्रभारी ओम नारायण गौतम का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

पति ने पत्नी की गला दबाकर हत्या की, फिर फंदे पर लटका दिया ?

प्रयागराज । गंगापार के होलागढ़ में गुरुवार रात में विवाहिता की फंदे पर लटकती लाश मिली। महिला के मायकेवालों ने पति पर गला दबाकर हत्या कर आत्महत्या का रूप देने के लिए शव को फंदे पर लटकाने का आरोप लगाया है। पिता ने दामाद के खिलाफ थाने में तहरीर दी है। पुलिस ने शव कब्जे में लिया और जांच-पड़ताल कर रही है। प्रयागराज पर्यटन जानकारी

दंपती में होता था विवाद, समझौता भी हुआ

सोरांव थाना क्षेत्र बलकरनपुर निवासी लाल बहादुर मौर्य 30 वर्षीय बेटी खुशबू मौर्या की शादी 10 वर्ष पूर्व होलागढ़ निवासी रजनीश मौर्य पुत्र

रमेश मौर्या के साथ की थी। उनके दो बच्चे तीन वर्षीय बब्बू उर्फ रूद्र एवं सात वर्ष की खुशी है। लाल बहादुर का आरोप है कि दंपती के बीच अक्सर विवाद होता था। विवाद के चलते दोनों पक्षों के बीच आपसी समझौता भी हो चुका है।

विवाहिता के पिता ने क्या आरोप लगाया ?

लाल बहादुर मौर्य ने तहरीर देकर आरोप लगाया है कि बेटी खुशबू और दामाद रजनीश के बीच विवाद हुआ। विवाद के चलते दामाद ने उसकी गला दबाकर हत्या करने के बाद शव को कमरे में पंखे में फंदे से लटका दिया। होलागढ़ पुलिस ने तहरीर के आधार पर खुशबू के पति रजनीश मौर्य के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर जांच-पड़ताल कर रही है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का पता चलेगा कारण

होलागढ़ थाना प्रभारी वीरेंद्र कुमार मिश्र का कहना है कि मृतका के पिता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारण का पता चलेगा। फिलहाल जांच पड़ताल की जा रही है।

सेवानिवृत्त हेड कांस्टेबल समेत दो लोगों की सड़क हादसे में मौत

प्रयागराज। करेली के करेहंदा में बुलेट सवार सेवानिवृत्त हेड कांस्टेबल दिनेश सिंह (65) की एक अन्य बाइक की टक्कर से मौत हो गई। घटना के वक्त वह बुलेट से घर लौट रहे थे। वहीं, चौफटका पुल के पास धूमनगंज के अबूबकरपुर निवासी रतन प्रजापति (48) की मैजिक वाहन की टक्कर से मौत हो गई।

करेली के करेहंदा में बुलेट सवार सेवानिवृत्त हेड कांस्टेबल दिनेश सिंह (65) की एक अन्य बाइक की टक्कर से मौत हो गई। घटना के वक्त वह बुलेट से घर लौट रहे थे। वहीं, चौफटका पुल के पास धूमनगंज के अबूबकरपुर निवासी रतन प्रजापति (48) की मैजिक वाहन की टक्कर से मौत हो गई। दोनों ही मामलों में पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है।प्रयागराज पर्यटन जानकारी

मूलरूप से बिहार के वैशाली निवासी दिनेश सिंह पुलिस विभाग से बतौर हेड कांस्टेबल सेवानिवृत्त थे। वह धूमनगंज के झलवा में परिवार समेत रहते थे। उनके बड़े बेटे संजीव सिंह पुलिस विभाग में वाराणसी में इंस्पेक्टर हैं जबकि छोटे बेटे राघवेंद्र सिंह सिविल इंजीनियर हैं। मृतक के पौत्र आदित्य प्रकाश सिंह ने बताया कि बृहस्पतिवार की शाम करीब पांच बजे दिनेश अपनी बुलेट से किसी काम से जलालपुर गए थे।

वापस लौटते समय करेली के करेहंदा गांव के पास एक अन्य बाइक सवार ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में उनके सिर पर गंभीर चोट आई। आसपास के लोगों की मदद से उन्हें रावतपुर स्थित एक निजी अस्पताल ले जाया गया जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है। करेली पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

मैजिक वाहन की टक्कर से साइकिल सवार की मौत

धूमनगंज के अबूबकरपुर निवासी रतन प्रजापति (48) बृहस्पतिवार सुबह करीब 10 बजे साइकिल से किसी काम से चकिया जा रहे थे। चौफटका पुल के पास पीछे से आ रहे मैजिक वाहन ने उनकी साइकिल में टक्कर मार दी। हादसे के बाद उन्हें कॉल्विन अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस जांच में पता चला कि रतन प्रजापति राजगीर थे। खुल्दाबाद थाना पुलिस ने नरेश कुमार प्रजापति की शिकायत पर आरोपी चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार कर दिया है।

जीरो रोड बस स्टेशन स्थायी रूप से होने जा रहा बंद

मकर संक्रांति से नैनी से संचालित करने की तैयारी

प्रयागराज, (जीएनएस)। सिविल लाइंस बस स्टेशन के बाद अब जीरोरोड बस स्टेशन भी स्थायी रूप से बंद होगा। रोडवेज प्रशासन द्वारा माघ मेला संपन्न होते ही जीरोरोड बस स्टेशन के पुनर्विकास का कार्य शुरू कर दिया जाएगा।प्रयागराज पर्यटन जानकारी

सिविल लाइंस बस स्टेशन के बाद अब जीरोरोड बस स्टेशन भी स्थायी रूप से बंद होगा। रोडवेज प्रशासन द्वारा माघ मेला संपन्न होते ही जीरोरोड बस स्टेशन के पुनर्विकास का कार्य शुरू कर दिया जाएगा। इस बीच मकर संक्राति तक जीरोरोड से चलने वालीं बसें नैनी लेप्रोसी चौराहे पर स्थानांतरित कर दी जाएंगी।

दरअसल, प्रयागराज के सिविल लाइंस एवं जीरोरोड बस स्टेशन के पुनर्विकास का कार्य महाकुंभ के पहले

ही शुरू होना था लेकिन कुछ कारणों से यह काम तब शुरू नहीं किया जा सका। पिछले वर्ष ही सिविल लाइंस बस स्टेशन के पुनर्विकास का कार्य ओमेक्स कंपनी द्वारा शुरू किया गया। इस वजह से बस स्टेशन को स्थायी रूप से बंद कर दिया गया। यहां से संचालित बसें विद्या वाहिनी मैदान एवं झूंसी स्थानांतरित की गई हैं।

अब जीरोरोड बस स्टेशन के भी पुनर्विकास का कार्य होना है। इस वजह से यह बस स्टेशन भी माघ मेला संपन्न होते ही स्थायी रूप से बंद कर दिया जाएगा। इसके साथ ही यहां से संचालित बसों को नैनी लेप्रोसी चौराहे पर स्थानांतरित किए जाने की तैयारी है। मकर संक्राति तक बसें स्थानांतरित कर दी जाएंगी।

यूपी रोडवेज प्रयागराज रीजन के क्षेत्रीय प्रबंधक रविंद्र कुमार सिंह का कहना है कि मकर संक्राति, मौनी अमावस्या, बसंत पंचमी, माघी पूर्णिमा स्नान पर्व पर बसों का संचालन नैनी लेप्रोसी चौराहे से ही होना है। बताया कि जीरोरोड बस स्टेशन के पुनर्विकास का कार्य डीजीएस नाम की कंपनी को सौंपा गया है। अभी बस स्टेशन को चारों ओर से कवर किया जा रहा है। माघ मेला संपन्न होते ही जीरोरोड बस स्टेशन स्थायी रूप से बंद कर दिया जाएगा। दो वर्ष में इसका पुनर्विकास कार्य पूरा होने की उम्मीद है।

पौष पूर्णिमाः अब तक 3 लाख श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

संगम तट पर 'हर हर गंगे' की गूंज, सुबह सात बजे तक तीन लाख श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

प्रयागराज । पौष पूर्णिमा के पहले स्नान पर्व के साथ माघ मेले का शुभारंभ हो गया। ब्रह्म मुहूर्त से लोग संगम समेत सभी घाटों पर स्नान करने लगे। हर- हर गंगे का नाद गूंज उठा है। श्रद्धालुओं और कल्पवासियों का रेला निरंतर बढ़ता ही जा रहा है।

श्रद्धा के साथ स्नान ध्यान और पूजन अर्चन और सभी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए मां गंगा से याचना। भक्ति भाव से मां गंगा भी आ'दित हैं। यह क्रम इसी तरह पूरे दिन बना रहेगा। अब तक लगभग हजारों लोगों ने स्नान कर लिया है। हालांकि जिलाधिकारी मनीष वर्मा का दावा है

जमीन बंटवारे में भाई ने भाई को मारी गोली, मचा हड़कंप

प्रयागराज। जनपद के मऊआइमा थाना क्षेत्र में भाइयों के बीच जमीन के बंटवारे को लेकर गोली चलने का मामला प्रकाश में आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार लोकपुर बिसानी गांव के राम सिंह के दो लड़के हैं। बड़े लड़के मुकेश पटेल छोटे मुकुंद प्रताप पटेल। बड़े लड़के की शादी हो चुकी है, छोटे लड़के और लड़कियों की शादी अभी नहीं हुई है। बड़ा लड़का मुकेश अपने पिता से अपने पत्नी को लेकर अलग जीवनी यापन करता है। पिताजी ने सबको कमाने खाने के लिए जमीन का कुछ भाग मुकेश को दे दिया है। कुछ दिनों से मुकेश अपने पिता से अपने हिस्से की संपूर्ण जमीन मांग रहा है। पिता द्वारा और बच्चों की शादी के उपरांत जमीन का बंटवारा करने के बाद कहीं जा रही थी, इस बात से नाराज होकर मुकेश ने शनिवार को 3:00 बजे जमीन के हिस्से को लेकर

अपने छोटे भाई मुकुंद से वाद विवाद करने लगा। इसी बीच मुकेश ने तमंचे से मुकुंद को निशाना बनाते हुए गोली मार दी। गोली चलते ही मुकेश जमीन पर गिरकर तड़पने लगा। शोर सुनकर गांव वाले दौड़े तो मुकेश तमंचा लहराते हुए भी फरार हो गया। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक थाना पंकज अवस्थी से बात करने पर बताया कि जमीन के हिस्सेदारी को लेकर पिता राम सिंह पटेल से कुछ दिनों से वाद विवाद चल रहा था। आज मुकेश द्वारा जमीन के हिस्सेदारी को लेकर अपने छोटे भाई को गोली मार दी गई है। गोली मुकुंद प्रताप के कंधे को छुटे हुए निकल गई। गले और चेहरे पर गोली के छर्रे लगे है जो खतरे से बाहर है। जिसका इलाज चल रहा है। तहरीर मिलने के बाद मुकदमा पंजीकृत किया जाएगा आरोपी फरार है तलाश की जा रही।

कन्या पूजन संग निकली शोभायात्रा, शामिल रहे भक्तगण

वाराणसी। मां मंगला गौरी गभस्तीश्वर सेवा समिति ने शिव पंचायतन अन्नकूट महोत्सव के अवसर पर शुक्रवार को टाउनहाल से भव्य मंगल कलश शोभा यात्रा निकाली।

टाउन हॉल मैदान में समाजसेवी रवि सर्राफ, कमल कुमार सिंह, राजू वर्मा बिछिया वाले सहित अन्य सेवको द्वारा कन्याओं का पूजन किया है।

शोभायात्रा टाउन हॉल से होते हुए मैदागिन, बुलानाला, नीचीबाग, चौक पहुंचा।

चौक पर रवि सर्राफ के नेतृत्व में स्वर्णकार बंधुओ ने शोभायात्रा पर पुष्प वर्षा एवं आरती कर भव्य स्वागत किया।

चौक से ठठेरी बाजार, चौखंबा होते हुए मंगला गौरी मंदिर पहुंचकर समाप्त हुई।

समिति के अध्यक्ष नरेंद्र कुमार पांडे ने बताया कि आज अन्नकूट महोत्सव के अवसर पर 131 कुंवारी कन्याओं का विधिवत पूजन के तत्पश्चात भव्य शोभायात्रा टाउनहाल से मां की विग्रह रथ पर सवार, गाजे-

बाजे के साथ डमरू दल तथा महिलाएं हाथों में मंगल कलश लिए हुए माता की जयकारे और हर हर महादेव के उदघोष के साथ चल रही थी जो पंचगंगा घाट स्थित मंगला गौरी के मंदिर परिसर पहुंचकर सम्पन्न हुआ।

सायंकाल मां मंगला गौरी, बाबा गभस्तीश्वर महादेव सहित अन्य सभी विग्रहों का सुगंधित फूल-मालाओं से भव्य श्रृंगार, भोग, हवन-पूजन एवं महाआरती किया गया।भंडारे मे श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया। शोभा यात्रा में मुख्य रूप से मंहत पंडित नारायण गुरु, नरेंद्र कुमार पांडे, तरुण पांडे, मयंक पांडे, पंडित चुन्नू गुरु, रवि सराफ, कमल कुमार सिंह, श्याम सुंदर सिंह, बच्चू राम सेठ, राजू वर्मा बिछिया वाले, श्याम सुंदर सिंह, आशीष सोनी, हनी सिंह सहित सैकड़ो महिलाएं, बच्चे एवं श्रदालुजन शामिल थे।

दारोगा पिटाई प्रकरण में सियासी घमासान, कांग्रेस ने योगी सरकार पर साधा निशाना

(जीएनएस)।

वाराणसी । वाराणसी में भाजपा पार्षद के बेटे द्वारा दारोगा की कथित पिटाई का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। घटना के बाद अब राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। यूपी कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने योगी सरकार पर पुलिस को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश में पुलिस का मनोबल जानबूझकर गिराया गया है और वर्दी का सम्मान समाप्त हो चुका है।

अजय राय ने कहा कि वाराणसी की घटना कोई अकेली घटना नहीं है, बल्कि भाजपा सरकार में इस तरह के दर्जनों मामले सामने आ चुके हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि थानों और चौकियों पर तैनात पुलिसकर्मियों पर राजनीतिक दबाव बनाया जाता है और उन्हें अपमानित किया जाता है। इसका नतीजा यह है कि अपराधियों के हौसले

बुलंद हैं और पुलिस कार्रवाई करने से डरती है। उन्होंने कहा कि आज स्थिति यह है कि पुलिस की वर्दी का खौफ खत्म हो गया है, जिससे कानून-व्यवस्था लगातार कमजोर होती जा रही है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि नीचे सिपाही से लेकर ऊपर अधिकारियों तक अच्छी पोस्टिंग के लिए भाजपा नेताओं के पीछे घूमने को मजबूर हैं। इससे पुलिस का ध्यान कानून-व्यवस्था की बजाय राजनीतिक संरक्षण में लग जाता है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा सरकार में अपराधी और माफिया हावी हैं और पुलिस उनकी सुरक्षा में जुटी हुई है। अजय राय ने यह भी कहा कि थाने और चौकियां दलाली के अड्डे बन चुके हैं, जहां पैसों की बंदरबांट हो रही है। उन्होंने आशंका जताई कि सरकार इस मामले में दारोगा पर ही जिम्मेदारी डालकर अपने लोगों को बचाने का प्रयास कर सकती है। कांग्रेस ने साफ किया कि वह इस मुद्दे को सड़क से सदन तक उठाती रहेगी और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग करती रहेगी।

वाराणसी सरार्फा एसोसिएशन 500 जरुरत मंदों को कंबल वितरित कर चुका है

वाराणसी। वाराणसी सरार्फा एसोसिएशन काशी में पड़ रही भीषण ठंड व शीतलहरी को देखते हुए जरुरतमंद लोगों को 27दिसंबर से लगातार कम्बल वितरण कर रही है। एसोसिएशन के अध्यक्ष संतोष जी अग्रवाल के नेतृत्व में श्रीनाथजी मंदिर सुड़िया, काशी स्टेशन, सिटी स्टेशन, बनारस स्टेशन व कैंसर अस्पताल में जरूरतमंद लोगों को अब तक लगभग 500 कंबल वितरित किया गया। कंबल वितरण कार्यक्रम में मुख्य रूप से संतोष जी अग्रवाल, प्रद्युम्न जी अग्रवाल, संजय अग्रवाल 'बाबू भैया', रवि सर्राफ, अनिकेत चंद्र गुप्ता, अनिल चंचल, पंकज सर्राफ, जतिन रस्तोगी, राघव दवे, गणेश लाल कसेरा, विवेक अग्रवाल, महेंद्र जी, पवन मिश्रा आदि लोग शामिल रहे।